







# चार माह बाद भी नहीं मिल रहा प्रमाणपत्र

## डीसी से गुहार

धनबाद, विशेष संवाददाता। डीसी साधारण मिश्रा ने मंगलवार को जनता दरबार लगा कर लोगों की फारियाद सुनी। जनता दरबार में एक उम्मीदी को बताया कि उन्होंने इको-आंशकीय विकास संस्करण (ईडब्ल्यूएस) प्रमाण पत्र के लिए चार माह पहले एप्यार्कुड अंचल कार्यालय

में आवेदन दिया था। दाखिले की अंतिम तिथि 24 जुलाई है। अभी तक प्रमाण पत्र नहीं मिला है।

डीसी में एप्यार्कुड सीओ समस्या का शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। कोलकुसमा से आई एक छात्रा ने रेशमीय उच्च विद्यालय के प्राचार्य द्वारा ट्रासफर सर्टिफिकेट निर्गत नहीं से मुक्त करने से सहित कई आवेदन करने की शिकायत की। ऐस पत्र प्राप्त हुआ। जिसे उपायुक्त ने गंभीरता संज्ञा लेते हुए डीसी से बात की। जनता दरबार में ज्ञामाडा के बात की। जनता दरबार में ज्ञामाडा के

मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा पर नियुक्त देने, जीमीन पर जबरन कलजा करने, कैंसर पीड़ितों को सहायता प्रदान करने, सेवानिवृत पंचायत संचिव के पेशन परीक्षण के संबंध में, जीमीन से अवैध कलजा हटाने, एन-एनटी जीमीन को अनुयायी विकास संस्करण के लिए लेकर संवर्धित अधिकारियों को कार्याई का निर्देश दिया।

## जिला दण्डाधिकारी—सह—उपायुक्त का कार्यालय, जामताडा (जिला सामान्य शाखा)

विज्ञापन संख्या :— 01 / 2024

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि:— 30 / 07 / 2024

## जामताडा जिलान्तर्गत चौकीदार के पद पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन

सरकार के संबंधी संविध, गृह, कारा एवं दारा प्रबन्ध विभाग, आरखण्ड, रोनी के पर्याक— 3910, दिनांक— 27.06.2024 के द्वारा चौकीदार के अंदर विद्युतित प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु नियुक्त है। मुख्य सचिव महोदय, आरखण्ड, रोनी के द्वारा दिनांक— 01.07.2024 को विद्युतित कानूनक्स के माध्यम से आयोजित बैक में नियरा दिया गया है कि चौकीदारों के आयोजना रोकर तैयार कर आयोजित कार्यालय से रोकारे। जिसकी अनुयायी विकास संस्करण के पर्याक— 149/ रा., दिनांक— 06.07.2024 द्वारा दिया गये आदारी आयोजना रोकर पर प्रमेलोय आयुक्त, संथाल प्राप्त करने के अनुयायी विकास संस्करण के पर्याक— 1— 400/ रा., दिनांक— 07.04.2024 द्वारा निर्गत चौकीदार नियरा दिया गया अधिविधायक विभाग— 4998/ रा., दिनांक— 19.09.2019 के आलाक में 343 ग्रामीण चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु आवेदन प्रबन्ध विभाग, आरखण्ड, रोनी के अधिविधायक विभाग— 2032, दिनांक— 07.04.2024 द्वारा निर्गत चौकीदार नियरा दिया गया अधिविधायक विभाग— 4998/ रा., दिनांक— 19.09.2019 के आलाक में 343 ग्रामीण चौकीदार के रिक्त पदों की संख्या—343

पद का नाम— चौकीदार

रिक्त पदों की संख्या—343

कोटि अनारक्षित अ0ज0ज0 अ0ज0 अ0पि0व0 पि0व0 आ0क0व0 कुल

रिक्त पद 139 170 शून्य शून्य शून्य 34 343

1. पद चिह्नितीकरण हेतु विभागीय आवेदन/मार्गदर्शन की प्रत्याशा में नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। मार्गदर्शन प्राप्त होने/अन्य चारालय/विभागीय आदेश के आलोक में आवश्यकतानुसार विभागन में आधिकारिक/प्राप्त संशोधन अधिकारी विभाग को दर किया जा सकता है।

2. कानूनिक विभागीय आवेदन की अंतिम तिथि 4% शेषांक विभागीय आदेश के अनुसार नियरा दिया जाता है।

3. आक्षणक— आरखण्ड सरकार के द्वारा जिला स्तरीय उपकरण स्थापना के लिये लगा आदर्श आक्षणक।

i. पर्याक, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के संकल्प संख्या 1709, दिनांक 12 / 09 / 2007 के आलोक में नियारित खेलकूद कोटा से खिलाड़ियों के लिये 2% पद की अवैधति लग में आरक्षित होगा।

ii. कानूनिक प्राप्तानिक संधार तथा राजमार्ग विभाग के संकल्प संख्या—2249, दिनांक 03 / 04 / 2018 के अनुसार नियरा दिया जाने हेतु 4% शेषांक विभागीय अनुमान्य होगा। चौकीदार नियुक्ति नियरा दिया 2015 के कोटिक— 9 के आलोक में नियरा दिया जाने वाली आयोजन की अनुमान्या प्राप्तिमान नियरा जाए है, इस कारण भर्ती में नियरा दिया जाने वाली अनुमान्या पर नियरा दिया जाए है। इस कारण भर्ती में नियरा दिया जाने वाली अनुमान्या नहीं तरह बंधी सरकार से मार्गदर्शन की माँग की जा रही है, जिसकी अनुरूप इसके अनुमान्याता पर नियरा दिया जाए है।

iii. कानूनिक प्राप्तानिक सुधार संसाधन राजमार्ग विभाग के संकल्प संख्या—5555, दिनांक 28 / 06 / 2016 के द्वारा अनुसूचित जननागती के आविष्कार कोटी में 2% पद की अवैधति लग में आरक्षित होगा।

iv. कानूनिक प्राप्तानिक सुधार तथा राजमार्ग विभाग के संकल्प संख्या—8281, दिनांक 03 / 12 / 2021 के आलोक में महिलाओं के लिये 5% पद की अवैधति लग में आरक्षित होगा।

5. शैक्षणिक योग्यता— चौकीदार के पद पर नियुक्त हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आरखण्ड राज्य के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्कारों/ बोर्ड से दर्शनी कक्ष उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा अस्थार्थी के स्थानीय रीति-रिवाज, भाषा एवं परिवार के जान होना अनिवार्य होगा। दिनांक— 01.07.2024 तक दसवी परीक्षा उत्तीर्ण अस्थार्थी द्वारा नियुक्ति हेतु आवेदन करवाए जायेगा।

6. उम्र सीमा—  
(क) न्यूनतम उम्र सीमा— 18 वर्ष  
(ख) अधिकतम उम्र सीमा—

विज्ञापन संख्या—

सामान्य

अधिकतम आयु सीमा

# ट्रांसफर-पोर्टिंग और ट्रांसपोर्टिंग वाली है झारखंड सरकार: सुदेश

शहर 30's

- आजसू के मिलन समारोह में हेमंत सरकार पर बरसे
- कहा-झारखंड सरकार ने महिलाओं और युवाओं को ज्ञासा दिया



मिलन समारोह में मंगलवार को सुदेश महतो का राजगत करते आजसू कार्यकर्ता।

कारण उनकी जिम्मेवारी परे प्रदेश की है। हालांकि सुदेश महतो ने राज्य की अलग-अलग परिस्थितियां रहती हैं। अनेकों चुनाव में संविधान घोषित हो गए। इसलिए नेंडोटी का नेता होने के

दौरान जयराम महतो को मिलन विधानसभा वार बढ़त पर उन्होंने

कहा कि राजनीति में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है। राजनीतिक वोटों की अलग-अलग परिस्थितियां रहती हैं। अनेकों चुनाव में संविधान घोषित हो गए।

पूर्ण झारखंड में चुनाव लड़ेगी। इसलिए नेंडोटी का नेता होने के

## पहली बार राजनीतिक कार्यक्रम में दिखे पलटन बाबू

धनबाद के प्रसिद्ध उद्योगपति एसके सिन्हा उर्फ पलटन बाबू को पहली बार किसी राजनीतिक कार्यक्रम में नेताओं के साथ भेजा गया। आजसू के मिलन समारोह के दौरान वे पार्टी में शामिल हुए। उनके अलावा भी कई लोग भी पार्टी का दामन थामा, लेकिन पलटन बाबू को इस तरह से राजनीतिक मंच पर आना चाहा का विषय बन गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यरूप से जिलाधिकारी महतो, प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत समेत अन्य लोग मौजूद थे।

कार्यक्रमों को लेकर जिम्मेवारी दी गई है। इससे पूर्व अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि वे 40 वर्षों के लिए नहीं बल्कि झारखंड के सपनों को पूरा करने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। पार्टी की अलग-अलग विधायिका और पूर्ण झारखंड चल रहा है। चूल्हा प्रमुख तक को पार्टी के

लेकर अंत का विवरण संक्षेप में दिया और बताया कि कांग्रेस ने झारखंड आंदोलन को खीरीदाने, राजद नेता लालू प्रसाद यादव और झारुमोहन के शिव्य सोरेन ने हर बार इसे बनेवा का काम किया। 1990 में आजसू ने नैनीतिकों के दम पर इस आंदोलन को आगे बढ़ाया।



बीएसएस बालिका विद्यालय में जिजी प्रतिभागियों के साथ शिक्षक व अन्य।

## पैटिंग प्रतियोगिता में छोटी, तृष्णा, शालू अवृत्त

धनबाद। रुपेश कुमार सिंह की जयती पर मंगलवार को बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय में वर्षा जल संरक्षण विषय पर पैटिंग प्रतियोगिता करायी गई।

शुभारंभ रथ, लूपण की पानी ढी. भीतृ सिंहा एपीआई, पूर्णमुखी शर्यार, शोभा सिंहा, परिवारों के सहायक प्रतियोगियों को शिव्य सिंह देकर समाप्ति किया गया। जिजी छात्रों में छोटी कुमारी प्रधम, पूर्णमुखी, रिया कुमारी, तृष्णा, शालू कुमारी, प्रियंका कुमारी और देव कुमार को पुरस्कृत किया गया।

जीजी छात्रों में छोटी कुमारी प्रधम, पूर्णमुखी शर्यार, लूपणी नैदी, सुजीत रजवार, अनन्या कुमारी, प्रियंका कुमारी और देव कुमार को पुरस्कृत किया गया।

राजपाल से मिले बीबीएमके यूक्लपति प्रो. राम



धनबाद। राजपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन से मंगलवार को बीबीएमके के कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह ने राजभवन में शिवायार की पानी ढी. भीतृ सिंहा एपीआई, पूर्णमुखी शर्यार, शोभा सिंहा, परिवारों के सहायक प्रतियोगियों को शिव्य सिंह देकर समाप्ति किया गया। जिजी छात्रों में छोटी कुमारी प्रधम, पूर्णमुखी, रिया कुमारी, तृष्णा, शालू कुमारी, प्रियंका कुमारी और देव कुमार को पुरस्कृत किया गया।

जीजी छात्रों में छोटी कुमारी प्रधम, पूर्णमुखी शर्यार, लूपणी नैदी, सुजीत रजवार, अनन्या कुमारी, प्रियंका कुमारी और देव कुमार को पुरस्कृत किया गया।

राजपाल से जाएंगे हड्डाल पर

धनबाद। राज्यालय में वर्षा जल संरक्षण विषय पर पैटिंग प्रतियोगिता करायी गई। शुभारंभ रथ, लूपण की पानी ढी. भीतृ सिंहा एपीआई, पूर्णमुखी शर्यार, शोभा सिंहा, परिवारों के सहायक प्रतियोगियों को शिव्य सिंह देकर समाप्ति किया गया। जिजी छात्रों में छोटी कुमारी प्रधम, पूर्णमुखी, रिया कुमारी, तृष्णा, शालू कुमारी, प्रियंका एवं जिजी नैदी नैदी रजवार, अनन्या कुमारी, प्रियंका कुमारी और देव कुमार को पुरस्कृत किया गया।

एंबुलेंस ने पहुंचा दिया जीपी हॉस्पिटल

विशु दास का कहना है कि गिरिडीह से पैकेज के लेकर उन्हें उसके बड़े बाई और शुगर बड़े बाई के अंतराल में एप्स्टाल प्रबंधन पर उत्तर वर्तने की कोशिश कर रहे थे। मना करने पर वे लोग हंगामा करने लगे। गाली-गलौज की बात पूरी तरह गलत है।

उसके पिता की बीपी और शुगर बड़े बाई वाले जिजी का लिया गया। जब इन्होंने जीपी हॉस्पिटल में दो दिनों में 80 हजार रुपए का कहना है कि बिना पूरा बिल दिए लोग मरीज को ले जाने की कोशिश कर रहे थे। मना करने पर वे लोग हंगामा करने लगे। गाली-गलौज की बात पूरी तरह गलत है।

विशु के अनुसार दो दिन पहले उसके पिता की बीपी और शुगर बड़े बाई वाले जिजी का लिया गया। उन्हें गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहाँ से उन्हें जीपी हॉस्पिटल में दो दिनों में 80 हजार रुपए का बिल दिया गया।

इसमें 48 हजार रुपए अस्पताल का, 30 हजार दावाओं का और 10 हजार रुपए जांच का लिया गया। जब इन्होंने अधिक बिल के बारे में दूरी तो जानकारी देने की बजाय वहाँ मौजूद लोग गाली-गलौज करने लगे और अस्पताल की दुर्घाता का लिया गया।

जीपी हॉस्पिटल में दो दिनों में 80 हजार रुपए का बिल दिया गया। जिजी छात्रों में एंबुलेंस नाले की समस्या है।

जीपी हॉस्पिटल की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

अंबुलेंस नाले की बात कहकर जीपी हॉस्पिटल को समर्पित की गयी।

# यूजीछात्रोंके सामने दाखिले का संकट

एनटीए ने 15 से 29 मई के मध्य 379 शहरों में कराई थी परीक्षा, अब छात्र पूछ रहे कब जारी होगा रिजल्ट

## सीयूईटी

धनबाद, मुख्य संचाददाता। सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी इंडेस टेस्ट) यूजी का रिजल्ट कब आएगा, सीयूईटी यूजी का परीक्षा देने वाले जिले के छात्र-छात्राएं वह सबाल पूछ रहे हैं। राज्य के बाहर डीयू सभी अन्य विश्वविद्यालयों में नामांकन के लिए इन्होंने दिग्गजों में दूसरी जीवी यूजी की अनिवार्यता नहीं दिखाई। इस कारण काफी संख्या में सीटें खाली रह गईं। खाली सीटों को खेते हुए यूजी यूनिवर्सिटी ने इस बार सीयूईटी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया।

## बीबीएमके यूमें इस बार सीयूईटी की अनिवार्यता नहीं

वर्ष 2024 में बीबीएमके यूमें दूसरी जीवी यूजी की नामांकन लिया जा रहा है। वर्ष 2023 में 50 फीसदी सीटों सीयूईटी के लिए आरक्षित रुक्की गई थीं, लेकिन छात्र-छात्राओं ने बीबीएमके यूमें दिलवरी नहीं दिखाई। इस कारण काफी संख्या में सीटें खाली रह गईं। खाली सीटों को खेते हुए यूजी यूनिवर्सिटी ने इस बार सीयूईटी की अनिवार्यता को खत्म कर दिया।

इधर झारखंड के कॉलेजों में नामांकन की तिथि खत्म हो जाए। हमलागों के पास सीमित विकल्प बचे। इस कारण एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) जल्द से जल्द सीयूईटी यूजी का रिजल्ट को घोषित करते चले एनटीए ने 15 मई से 29 मई तक सीयूईटी यूजी की परीक्षा कराई थी। परीक्षा के बाद अब तक रिजल्ट जारी नहीं हुआ है।

ऐसा नहीं हो कि सीयूईटी यूजी का रिजल्ट निकलने में और देरी हो और

## नामांकन के नाम पर पैसा वसूली के खिलाफ डिग्गी कॉलेज में किया प्रदर्शन

जोड़ावाहर, प्रतिनिधि। रस्टीन कर्लके पर नामांकन के नाम पर पैसा उगाही का आरोप लगाते हुए मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिवर्द ने जामताडा के डिग्गी कॉलेज जिरिया में प्रदर्शन किया। इसके बाद प्राचार्य आरपी सिंह को जापन सौंपा।

आरपी का आरोप था कि नामांकन के नाम पर विनेश कुमार वर्मा से चार रुपए मार्गने का काल रिकॉर्ड है। पैसा मार्गने वाले रस्टीन कर्लके निरंजन रवानी को खत्म कर दिया। इसके बाद प्राचार्य आरपी सिंह को यह भी चिंता सत्ता रही है कि विलंब से नामांकन चल रहा है।

प्रत्येक साल धनबाद से 5 से 7 हजार

छात्र-छात्राओं दिल्ली यूनिवर्सिटी के विभिन्न कॉलेजों से समेत देश के अन्य

कॉलेजों में नामांकन के लिए झारखंड

से प्रवासन करते हैं। ऐसे में इन छात्र-छात्राओं व अधिभावकों की चिंता बढ़ गई है। छात्रों को यह भी चिंता सत्ता रही है कि विलंब से नामांकन चल रहा है।

जामताडा ने इस बारे में दीरी हो और

वेस्टर्न में भी दीरी हो और

वेस





पटना समेत 4 शहरों में 20 से अधिक टिकानों पर छापे, मनी लाउंड्रिंग के मामले में कार्रवाई

## संजीव हंस और गुलाब के कई साझा कारोबार

### ईडी छापा



पटना, हिन्दुस्तान व्यूरो। ईडी की टीम ने मंगलवार को सुबे के बरिष्ठ आईएस अधिकारी संजीव हंस और राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव के 4 शहरों में मौजूद 20 से अधिक टिकानों पर एक साथ छापेमारी की है।

बिहार के डेर के 1997 बैच के आईएस अधिकारी संजीव हंस वर्षतामन में एसएस विधायक के प्रधान सचिव सह विधायक जेनरल कंपनी के सीनेंजीवी के पद पर नैतन हैं। इन दोनों के पटना, मधुबनी के झंझरपुर, दिल्ली और पुणे में मौजूद टिकानों की तलाशी सुबह से शुरू हुई है। जैसे दर रात चलती रही। जाकारी के मूलताक इन स्थानों से बड़ी संख्या में दस्तावेज, लैपटॉप, टेबू

पटना में मंगलवार को राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव के परिसर में ईडी छापेमारी के दोरान नैतन जवान। ● प्रेट

मोबाइल, बैंक पासवर्क, लेनदेन से जुड़े डिटेल समेत अन्य सामान के बरामद होने वाली सामान के बरामद होने की सूचना मिल रही है। बैंक खातों में लातों की छापेमारी की गई है। उपरोक्त आईएस की पल्टी और गुलाब यादव का संयुक्त रूप से एक सीनेंजीवी पंप भी मिला है।

गुलाब यादव इनकी पत्नी, संजीव हंस एवं

### सामान और कागजात की जांच से होंगे कई खुलासे

पटना। ईडी की टीम ने अधिकारी संजीव हंस और राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव के घर से सभी बरामद सामान और कागजातों की जांच के बाद कई तथ्यों का सही तरीके से खुलासा होया। आईएस अधिकारी के पटना के बैली रोड स्थित सरकारी आवास एवं कार्यालय के अलावा पुणे और दिल्ली में मौजूद घर में तलाशी हुई है, जबकि पूर्व विधायक के पटना के रूपसंपुर्ण स्थित आवास के अलावा मधुबनी के झंझरपुर के गंगापुर स्थित पृथक आवास के अलावा दिल्ली स्थित अन्य स्थानों पर छापेमारी की गई है। इनकी पत्नी अधिकारी गुलाब यादव वर्तमान में भौतिक व्यापार के बाद तांती-तंतवा के अनुसूचित जाति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में वापस कर दिया जाए। जिन्हें इसका लाभ मिला वैसे तांती-तंतवा के उम्मीदवारों को राज्य सरकार उचित उपाय करते हुए अन्यतंत्र पिछड़ा वर्ग की मूल श्रेणी में समावृत्ति करें। न्यायालूक विक्रम नाथ और प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने डॉ. भीम राव आंडेकर विचार मंच और आशीष रजक की अंगरेजी है। विधायक सूरज से मिली जानकारी के अनुसार, गुलाब यादव के टेक्कोदारी समेत अन्य कारोबार में अधिकारी संजीव हंस की रखण्य वाली पत्नी के नाम से साझेदारी भी है।

गुलाब यादव इनकी पत्नी, संजीव हंस एवं

पटना में मंगलवार को वरिष्ठ आईएस

## दहशतके खिलाफ

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकियों से मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत चार जवानों की शहादत ने फिर से यह उत्तरांग किया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जितनी मुश्किल है, उतनी ही आवश्यक भी है। पिछले करीब चालीस दिनों में 12 जवान और 10 अम नागरिक विभिन्न आतंकी वाहानों व मुठभेड़ों की भैंटचढ़ चुके हैं। साक है, घाटी में सुख्खा बलों की सक्रियता से बौखलाएं आतंकी अपने दुसराहस से अब राज्य के उस खिते में दहशत पैदा करना चाहते हैं, जिसे हालिया वर्षों में अपेक्षकृत शांत माना जाता रहा है। डोडा भी इसी जम्मू संभाग का एक जिला है। अभी चंद रोज पहले कठुआ में फौजी वाहन पर आतंकी हमले में पांच फौजी शहीद हुए थे। हालांकि, घेरे जंगलों का फायदा उत्तरांग आतंकी तब बच निकले थे। इस बार सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाकर्मियों की परेशानी यह है कि जम्मू खिते के रिहाइशी इलाकों में आबादी काफी घनी है और वन क्षेत्र इतने सघन है कि उनकी हवाई निगरानी मुश्किल नहीं। ऐसे में, दहशतगांदों की पहचान करने और उन्हें धेरों में कापी कठिनाई होती है।

डोडा वाहन तकी जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बड़ी सरगामी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकीयों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में लाग रखने के द्वारा पर उमड़ पड़े और दशोंके तुराना रिकार्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ ही सकते हैं और फिर उनके सफाये में बहुत बक्त नहीं लगेगा। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू-संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकांक्षों से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

मगर आतंकीयों के खिलाफ सुरक्षा बलों की लड़ाई के इस अहम मोड़ पर जम्मू-कश्मीर की यूर्ब मुख्यमंडी महबूबा मुफ्ती ने राज्य पुलिस को जिस तरह से धेरों की कोशिश की है, उसकी सरगाना नहीं की जा सकती। महबूबा सुधे के शीर्ष पुलिस अधिकारी पर जैसे आरोप लगा रही है, उससे पहले से ही विभाजित समाज में न सिर्फ धूकीरण और गहराएंगा, बल्कि सुरक्षा बलों के मनोबल पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। पुलिस के आला अधिकारी यदि कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैट' को बढ़ावा देने में कठिन परायी राजनीतिक वर्गों और प्रकाशनिक तंत्रों में बेहतर तालमेल पहली जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों को इसके जानने के लिए दूर दूर देखने की भी आवश्यकता नहीं है। पंजाब में आतंकवाद के सफाये में कामयादी इसलिए मिल सकी, क्योंकि वहां के तमाम राजनीतिक दलों ने एक सुर में आतंकीयों का विरोध किया। मगर उस राजनीतिक एकजुटा की कमी जम्मू-कश्मीर में हमेशा दिखी। इसलिए समय की मांग है कि राजनीतिक पार्टियों और पुलिस-प्रशासन से ज़ेड़ लोग पहले एक बड़ा दिखाएं, वहना आतंकी उनके सार्वजनिक मतभेदों का लाभ उठाते रहें।

मगर आतंकीयों के खिलाफ सुरक्षा बलों की लड़ाई के इस अहम मोड़ पर जम्मू-कश्मीर की यूर्ब मुख्यमंडी महबूबा मुफ्ती ने राज्य पुलिस को जिस तरह से धेरों की कोशिश की है, तो क्या यह आधारहीन नहीं? जिंडगी के अंतर्गत विभिन्न आतंक-मुक्त करने के लिए राजनीतिक वर्गों और प्रकाशनिक तंत्रों में बेहतर तालमेल पहली जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों को इसके जानने के लिए दूर दूर देखने की भी आवश्यकता नहीं है। पंजाब में आतंकवाद के सफाये में कामयादी

इसलिए मिल सकी, क्योंकि वहां के तमाम राजनीतिक दलों ने एक सुर में आतंकीयों का विरोध किया। मगर उस राजनीतिक एकजुटा की कमी जम्मू-कश्मीर में हमेशा दिखी। इसलिए समय की मांग है कि राजनीतिक पार्टियों और पुलिस-प्रशासन से ज़ेड़ लोग पहले एक बड़ा दिखाएं, वहना आतंकी उनके सार्वजनिक मतभेदों का लाभ उठाते रहें।

महबूबा सुधे के शीर्ष पुलिस अधिकारी पर जैसे आरोप लगा रही है, उससे पहले से ही विभाजित समाज में न सिर्फ धूकीरण और गहराएंगा, बल्कि सुरक्षा बलों की लड़ाई के इस अहम मोड़ पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। पुलिस के आला अधिकारी यदि कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैट' को बढ़ावा देने में कठिन परायी राजनीतिक वर्गों और प्रकाशनिक तंत्रों में बेहतर तालमेल पहली जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों को इसके जानने के लिए दूर दूर देखने की भी आवश्यकता नहीं है। पंजाब में आतंकवाद के सफाये में कामयादी

इसलिए मिल सकी, क्योंकि वहां के तमाम राजनीतिक दलों ने एक सुर में आतंकीयों का विरोध किया। मगर उस राजनीतिक एकजुटा की कमी जम्मू-कश्मीर में हमेशा दिखी। इसलिए समय की मांग है कि राजनीतिक पार्टियों और पुलिस-प्रशासन से ज़ेड़ लोग पहले एक बड़ा दिखाएं, वहना आतंकी उनके सार्वजनिक मतभेदों का लाभ उठाते रहें।

अपनी महांगाई दो तरीकों से मारी जाती है - एक, थोक मूल्यों के आधार पर, और दूसरा, उपभोक्ता मूल्यों के आधार पर। थोक मूल्य मूलतः उत्पादकों से जुड़ा है। किसानों, फैक्टरीयों या उत्पादन करने वाली

# चढ़ती कीमतों को नीचे लाने के उपाय



यह रेंक करें  
QR कोड स्कैन करें

अरुण कुमार | वरिष्ठ अर्थशास्त्री

पि

छले महीने यूरोपीय संघ में यह कहते हुए क्रांति दरों में कठीती की थी कि उसने महांगाई को काफी हट कर कावू में कठीता किया है। ऐसा करने वाले दूसरी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था थी, क्योंकि इससे पहले कनाडा ने भी दरों में कमी करने का एकान्तर किया था। अब अमेरिका ने भी लगातार तीन महीनों तक महांगाई कम होने के कारण यह संकेत किया है कि जल्द ही फैडरल रिजर्व जर्डों में कठीती कर सकता है। जाहिर है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक देश अपने वहां दो दरों में कमी करते हैं। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि कोरोना महामारी, यूक्रेन संकट और फिर इजरायल-हमास जंग की वजह से वैश्विक आपूर्ति शुरुआत पर जो नकारात्मक असर देता है, उससे पार पार जाने वाली दूसरी दरों में वहां संकट लागत हो रही है। मार भारत में हालात चुनौतीपूर्ण नजर आते हैं। वहां फल-संबंधियों ही नहीं, खाद्यांक के दाम बढ़ते हैं।

अक्सर देखा गया है कि गर्मी बढ़ने वाली व्यापार ज्यादा होने से फॉलो और सब्जियों की कमीत व्यवस्था अपने देश में नहीं है। मगर वाहा वजह है कि गर्मी बढ़ने वाली कर्मचारी व्यापार ज्यादा होती है, जबकि इनका उत्तरांग में बढ़ती है। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि कोरोना महामारी, यूक्रेन संकट और फिर इजरायल-हमास जंग की वजह से वैश्विक आपूर्ति शुरुआत पर जो नकारात्मक असर देता है, उससे पार पार जाने वाली दूसरी दरों में वहां बढ़ती है। इस दिन रिजर्व बैंक द्वारा तरीका के दाम प्रतिशत के बारे में गोला लगता है। जाहिर है, अपनी बचत पर अनेक देश अपनी वहां दो दरों में कमी करते हैं। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि कोरोना महामारी, यूक्रेन संकट और फिर इजरायल-हमास जंग की वजह से वैश्विक आपूर्ति शुरुआत पर जो नकारात्मक असर देता है, उससे पार पार जाने वाली दूसरी दरों में वहां बढ़ती है।

अपनी महांगाई दो तरीकों से मारी जाती है - एक, थोक मूल्यों के आधार पर, और दूसरा, उपभोक्ता मूल्यों के आधार पर। थोक मूल्य मूलतः उत्पादकों के लिए एक नियंत्रित पराया है। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि उत्पादकों के लिए एक नियंत्रित पराया है। यह अपनी बचत पर अनेक देश अपनी वहां दो दरों में कमी करते हैं। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि कोरोना महामारी, यूक्रेन संकट और फिर इजरायल-हमास जंग की वजह से वैश्विक आपूर्ति शुरुआत पर जो नकारात्मक असर देता है, उससे पार पार जाने वाली दूसरी दरों में वहां बढ़ती है।

अपनी महांगाई दो तरीकों से मारी जाती है - एक, थोक मूल्यों के आधार पर, और दूसरा, उपभोक्ता मूल्यों के आधार पर। थोक मूल्यों के आधार पर, अपनी बचत पर अनेक देश अपनी वहां दो दरों में कमी करते हैं। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि उत्पादकों के लिए एक नियंत्रित पराया है। यह अपनी बचत पर अनेक देश अपनी वहां दो दरों में कमी करते हैं। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि कोरोना महामारी, यूक्रेन संकट और फिर इजरायल-हमास जंग की वजह से वैश्विक आपूर्ति शुरुआत पर जो नकारात्मक असर देता है, उससे पार पार जाने वाली दूसरी दरों में वहां बढ़ती है।

अपनी महांगाई दो तरीकों से मारी जाती है - एक, थोक मूल्यों के आधार पर, और दूसरा, उपभोक्ता मूल्यों के आधार पर। थोक मूल्यों के आधार पर, अपनी बचत पर अनेक देश अपनी वहां दो दरों में कमी करते हैं। इसकी वजह हवाई क्रिया हो सकती है कि कोरोना महामारी, यूक्रेन संकट और फिर इजरायल-हमास जंग की वजह से वैश्विक आपूर्ति शुरुआत पर जो नकारात्मक असर देता है, उससे पार पार जाने वाली दूसरी दरों में वहां बढ़ती है।

# बारिश में घर-घर बजट की बातें

लोकसभा चुनाव की वजह से फरवरी में अंतरिम बजट पेश हुआ था और अब 23 जुलाई को आम बजट पेश होने जा रहा है। एक बार फिर लोगों की उम्मीदें जाग उठी हैं। घर-घर सवाल भी हैं और चर्चा भी कि इस बार आम लोगों को क्या मिलने वाला है? ज्यादातर भारतीयों के लिए बजट जटिल विषय है, पर इसका प्रभाव हर किसी पर पड़ता है। संवाद शैली में लिखे गए प्रस्तुत आलेख में विवेक कौल ने बजट के व्यापक प्रभाव को समझाने की कोशिश की है और बातों-बातों में मिले हैं कई जवाब...

बा

दलों की तेज गडगडाहट और मूसलाधार बारिश का आवाज ने विवान को जगा दिया। ऊर्जा शहर में गत के दो बजे हो थे, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह कभी नहीं सोता। जब विवान की नींद खुल ही गई है, तो गडगडाहट जारी रहने तक फिर नहीं आएगी, परस्तकी मायरा तेजी की नींद सो रही है। वैसे, अगर वह तय कर ले, तो कहीं भी सो सकती है, उड़ान, ट्रेन, बस, हवाई अड्डे, रेलवे-स्टेशन, कार्यालय इत्यादि, पर तभी गडगडाहट की इनी जोंदार आवाज दुर्छि कि मायरा भी जागकर चौंक पड़ी। अरे, यह क्या था? अब तुमने भला क्या तो दिया?

उत्तर मिला, 'कुछ नहीं, दरअसल, देवता हमसे नाखाना है। विजयी खूब चमक रही है।'

अब विवान और मायरा, दोनों जाग गए थे और दस मिनट बाद दोनों डार्लिंग टेबल के पास बैठे चाय की चुस्ती ले रहे थे और समेंसे भी खा रहे थे। एक आईटी कंपनी में मिड-लेवल इंजीनियर के रूप में काम करने वाला विवान ने कहा, 'तो केंद्रीय बजट 23 जुलाई को सेवा किया जाएगा।'

ऑफिस से छुट्टी लेकर अर्थात्सार में पीएचडी कर रही मायरा ने पूछा, 'तुम रात के 2.40 बजे बजट पर बात करना चाहते हो?'

विवान ने कहा, 'जब हम बजट सम्पादा और चाय भी हो, तब बजट पर चर्चा को नहीं सकती? मैं सुन रहा हूँ कि वित मंत्री बजट में अधिकरणों में कटौती या कर स्लैब बद्दा सकती है? यह एक अच्छा कदम होगा। भारतीयों का बहुत छोड़ा हिस्सा ही वास्तव में कर चुकाता है। सरकार को उनका भी खाल रखना होगा।'

मायरा ने टोकते हुए कहा, 'ओह, क्या तुमने अपना विलेखण क्षात्रपण से लेना शुरू कर दिया है? वास्तव में, यह आकलन गलत है कि भारतीयों के केवल एक छोटा-सा हिस्सा ही कर चुकाता है।'

विवान ने देखा, 'क्या तुम मुझे वह एक उदाहरण के साथ समझा सकती हो?'

मायरा ने समझाया, '1 जुलाई को दिल्ली में पेट्रोल की खुदार कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर थी। इसमें से 19.9 रुपये केंद्र सरकार द्वारा बस्तू गया उपादान शुल्क, अधिकार और उपकरण था। इसके अलावा, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अलावा, राज्य सरकारें पेट्रोल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) भी लगाती हैं। दिल्ली में राज्य सरकार की वैट राशि 15.39 रुपये प्रति लीटर है। यह वैट अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होता है, यही जब जह है कि पेट्रोल की कीमत पूरे देश में अलग-अलग होती है। हम बार जब आगे और मैं और अच्युत लोग पेट्रोल या डीजल खरीदते हैं, तो हम इन सभी करों का भुतान करते हैं। डीजल की कीमत में केंद्र सरकार के कर और वैट भी शामिल होते हैं। यह भी ध्यान देने की बाबा है कि आयकर चुकाने वाले लोगों की तुलना में बहुत अधिक लोगों के पास मोटर वाहन हैं।'

विवान ने कहा, 'मृग्य अब समझ में आ रहा है। अब तक सीतारमण ने वित मंत्री के रूप में अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान छह बजट पेश किए हैं, जिसमें इस साल की शुरूआत में पेश अंतरिम बजट 2024 भी शामिल है। वह लगातार दो कार्यकाल तक सेवा करने वाली एकमात्र महिला वित मंत्री भी है।'

सच्चाई यह है कि ज्यादातर लोगों को किसी न किसी प्रकार से कर का भुतान करना पड़ता है। महालेखा नियंत्रक के आईडों से पता चलता है कि 2023-24 में केंद्र सरकार द्वारा अंजित सकल कर राजस्व 34.6 द्विलियन रुपये था।'

विवान ने पूछा, 'सकल कर राजस्व क्या है?'

मायरा ने जवाब दिया, 'यह मूल रूप से केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न करों के माध्यम से अंजित

धन है। इसमें व्यक्तिगत आयकर भी शामिल है, जिसका भुतान मैं और तुम करते हैं। कारपोरेट या निगम भी आयकर चुकाते हैं। फिर वस्तु एवं सेवा कर (जैएसटी) है, जिसका भुगतान कारपोरेट और व्यक्ति, दोनों करते हैं। सीमा शुल्क है, जिसमें पूर्ण रूप से आयकर पर करों के माध्यम से अंजित धन शामिल है। और अंत में, केंद्रीय उत्पाद शुल्क है, जो सरकार वस्तुओं के उत्पाद और कभी-कभी उनकी बिक्री पर भी करता है। इन करों के माध्यम से सकल कर राजस्व का एक बड़ा हिस्सा अंजित किया जाता है।'

विवान ने प्रश्न किया, 'तो भारतीयों के एक छोटे

हिस्से द्वारा कर चुकाने का विचार गलत क्यों है?'

मायरा ने समझाया, 'साल 2023-24 में केंद्र सरकार ने विभिन्न करों के माध्यम से 34.6 द्विलियन रुपये कराए, इसमें से 10.1 द्विलियन रुपये ही व्यक्तिगत आयकर से अंजित किए गए थे।'

विवान ने अपने मोबाइल फोन पर जल्दी से अंकड़े देखते हुए कहा, 'आयकर सकल कर राजस्व का 29 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है।'

मायरा ने बताया, 'इसके अलावा, सरकार ने कारपोरेट द्वारा भुगतान किए गए आयकर से 9.1 द्विलियन रुपये या सकल कर राजस्व का 26 प्रतिशत से थोड़ा अधिक कमाया। शेष 15.4 द्विलियन रुपये या सकल कर राजस्व का 44.5 प्रतिशत व्यक्तिगत आयकर के एक छोटे प्रतिशत है।'

मायरा ने बताया, 'इसके अलावा, जो आयकर के रूप में आयकर चुकाने की तरफ आयकर के रूप में काम करने की चाही जागी है।'

विवान ने अपने मोबाइल फोन पर जल्दी से अंकड़े देखते हुए कहा, 'आयकर सकल कर राजस्व का 29 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है।'

मायरा ने कहा, 'तब बजट या सकल कर राजस्व का 2.40 बजे बजट पर बात करना चाहते हो?'

विवान ने कहा, 'जब हम बजट सम्पादा और चाय भी हो, तब बजट पर चर्चा को नहीं सकती? मैं सुन रहा हूँ कि वित मंत्री बजट में अधिकरणों में कटौती या कर स्लैब बद्दा सकती है? यह एक अच्छा कदम होगा। भारतीयों का बहुत छोड़ा हिस्सा ही वास्तव में कर चुकाता है। सरकार को उनका भी खाल रखना होगा।'

मायरा ने अपने मोबाइल फोन पर जल्दी से अंकड़े देखते हुए कहा, 'ओह, क्या तुमने अपना विलेखण क्षात्रपण से लेना शुरू कर दिया है? वास्तव में, यह आकलन गलत है कि भारतीयों के केवल एक छोटा-सा हिस्सा ही कर चुकाता है।'

विवान ने देखा, 'क्या तुम मुझे वह एक उदाहरण के साथ समझा सकती हो?'

मायरा ने समझाया, '1 जुलाई को दिल्ली में पेट्रोल की खुदार कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर थी। इसमें से 19.9 रुपये केंद्र सरकार द्वारा बस्तू गया उपादान शुल्क, अधिकार और उपकरण था। इसके अलावा, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अलावा, राज्य सरकारें पेट्रोल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) भी लगाती हैं। दिल्ली में राज्य सरकार की वैट राशि 15.39 रुपये प्रति लीटर है। यह वैट अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होता है, यही जब जह है कि पेट्रोल की कीमत पूरे देश में अलग-अलग होती है। हम बार जब आगे और मैं और अच्युत लोग पेट्रोल या डीजल खरीदते हैं, तो हम इन सभी करों का भुतान करते हैं। डीजल की कीमत में केंद्र सरकार के कर और वैट भी शामिल होते हैं। यह भी ध्यान देने की बाबा है कि आयकर चुकाने वाले लोगों की तुलना में बहुत अधिक लोगों के पास मोटर वाहन हैं।'

विवान ने कहा, 'मृग्य अब समझ में आ रहा है। अब तक सीतारमण ने वित मंत्री के रूप में अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान छह बजट पेश किए हैं, जिसमें इस साल की शुरूआत में पेश अंतरिम बजट 2024 भी शामिल है। वह लगातार दो कार्यकाल तक सेवा करने वाली एकमात्र महिला वित मंत्री भी है।'

विवान ने देखा, 'क्या तुम मुझे वह एक उदाहरण के साथ समझा सकती हो?'

मायरा ने समझाया, '1 जुलाई को दिल्ली में पेट्रोल की खुदार कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर थी। इसमें से 19.9 रुपये केंद्र सरकार द्वारा बस्तू गया उपादान शुल्क, अधिकार और उपकरण था। इसके अलावा, केंद्रीय उत्पाद शुल्क के अलावा, राज्य सरकारें पेट्रोल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) भी लगाती हैं। दिल्ली में राज्य सरकार की वैट राशि 15.39 रुपये प्रति लीटर है। यह वैट अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होता है, यही जब जह है कि पेट्रोल की कीमत पूरे देश में अलग-अलग होती है। हम बार जब आगे और मैं और अच्युत लोग पेट्रोल या डीजल खरीदते हैं, तो हम इन सभी करों का भुतान करते हैं। डीजल की कीमत में केंद्र सरकार के कर और वैट भी शामिल होते हैं। यह भी ध्यान देने की बाबा है कि आयकर चुकाने वाले लोगों की तुलना में बहुत अधिक लोगों के पास मोटर वाहन हैं।'

विवान ने कहा, 'मृग्य अब समझ में आ रहा है। अब तक सीतारमण ने वित मंत्री के रूप में अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान छह बजट पेश किए हैं, जिसमें इस साल की शुरूआत में पेश अंतरिम बजट 2024 भी शामिल है। वह लगातार दो

# मिशन ओलंपिक

26 जुलाई से 11 अगस्त  
(09 दिन शेष)

# पेरिस में परचम फहराने की तैयारी

9 दिन शेष

भारत का कार्यक्रम

नई दिल्ली, हिन्दुस्तान ब्लूरो। 29 जुलाई 1980, दिन मंत्रिलाभ। जी हाँ, इसी दिन भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में अंतिम बार मार्सको में स्वर्ण पदक जीतकर देश को मंगलमय कर दिया था। यह हॉकी में देश का आठवां पीला तमाम पदक के साथ संघीय ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। टीम स्विट्जरलैंड से नई जान फूंक दी थी। देश जान से सराबो हो उठा था। पर फिर उसे पदक के लिए 41 साल लौजार करना पड़ा।

तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में जीते कांसे ने भारतीय हॉकी को नई संजीवी दी। अब देशासी परिस में हरमनप्रीत सिंह की में स्वर्ण पदक के साथ परचम फहराकर हॉकी का खेल गैरव वापस लौटने की उम्मीद कर रहे हैं।

हरमन और गोलकोंपी श्रीजेश भी चाहते हैं, टीम इंडिया की तरफ से भी अंतिम बार इन्से लौटने की तरफ बाद देश को नई एंड कंपनी की तरफ बदला दिया जाए।

टोक्यो ओलंपिक के बाद से भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। पिछले दो साल में एकोच क्रेग फुल्टन के आने

के बाद से टीम ने कमाल का खेल दिखाया है। टीम ने एशियाद में स्वर्ण पदक के साथ संघीय ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। टीम स्विट्जरलैंड में तैयारियों में जुटी है।

तो भारत के लिए भी लकी साक्षि हॉकी को नई संजीवी दी। अब देशासी परिस में हरमनप्रीत सिंह की में स्वर्ण पदक के साथ परचम फहराकर हॉकी का खेल बल्कि पहली बार विश्व विजेता (2018) भी बना।

हरमन कहते हैं—वाहे गुरु ने चाहा तो वह हमारे लिए भी लकी साक्षि हो गये। हम उके लिए नई, बल्कि पहली बार इन्से खेलने जा रहे संनियर खिलाड़ियों के खेलों को भी धाराम बनाना चाहते हैं।

हरमन कहते हैं—वाहे गुरु ने चाहा तो वह हमारे लिए भी लकी साक्षि हो गये। हम उके लिए नई, बल्कि पहली बार इन्से खेलने जा रहे संनियर खिलाड़ियों के खेलों को भी धाराम बनाना चाहते हैं।

टोक्यो ओलंपिक के बाद से भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। पिछले

दो साल में एकोच क्रेग फुल्टन के आने



क्रेग के कोष रुपेश्वरी



उपलब्धियां

2023: एशियन प्रीपरेशन ट्रॉफी  
जीते, 07 मुकाबले खेले 06  
जीते, एक झूँझू रहे

एशियाड में विजेता: 07 में  
खेले सभी जीते, खिताब के साथ  
ओलंपिक का टिकट भी कठाया

प्रो लीग: 2022-2024  
में: 24, जीते: 8 हारे: 9, झूँझू: 7

66 में प्रक्रिया पर भरोसा करने वाला कोच हूँ। फिलहाल फोकस न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच पर है। हम मैच दर मैच राशनीति बनाएंगे। मेरा मंत्र स्पष्ट है कि खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं। यह हॉकी का ही मैच है और नियम भी बदले नहीं हैं।

-क्रेग फुल्टन, भारतीय कोच

740 दिन तक टोक्यो ओलंपिक के बाद से मार्टीनीय टीम ने राष्ट्रीय दिवार में तैयारी की है

19 विदेशी शिविर लगाने के साथ ही नीदरलैंड्स, बेल्जियम व ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के साथ टेस्ट सीरीज खेली

40 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं मार्टीनीय टीम प्राधिकरण ने पिछले तीन साल में टीम की तैयारियों पर

■ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हम बड़े मौकों पर अक्सर चूक जाते हैं। उसके खिलाफ कोई खास राशनीति?

इसमें कोई शक नहीं की हमारा ग्रुप किटन है। कोई दबाव नहीं है। ओलंपिक में कोई पल हो, हर टीम और मैच महत्वपूर्ण है। वहाँ मैच न्यूजीलैंड से है और अभी फोकस उस पर फोकस करहा जा रहा है। रही बात ऑलंपिक में तो उनके खिलाफ अंतिम

मैच है और हम पूरी जी जान लगा देंगे।

■ मौजूदा हॉकी में पेनाट्रिट को ऑर्जनर पर गोल जीत का मूल मंत्र है। पर हम अभी इसमें उनके कामायाब नहीं हो पाए हैं। कहाँ कमी रही है?

हमारे पास अच्छे ड्रैग फिल्कर हैं फिर वह चाहे रोहित हो संजय हो या खुद मैं।

पीसी डिफेंस के लिए सर्वश्रेष्ठ रशर और गोलकोपर है लेकिन फिर भी डैग इन दरअसल एलोंपिक खेलों के लिए यह नहीं पाए पर ऐसे बढ़ने के लिए यह सीरीज बहुत अहम है। रही बात इस पर महेन्त की विरोधी टीम का विश्लेषण कर रहे हैं।

## कांसे को पीले तमगे में बदलने का यकीन: हरमनप्रीत

टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने का देश का 11 साल का इंतजार खत्म किया। अब बारी हॉकी की टीम की है। टीम परिस में तिरंगा फहराने के लिए तैयार है। क्रासान हरमनप्रीत को पूरी उम्मीद है खिलाड़ी पीला तमगा जीतकर देशासीयों को जनन मनाने का एक और मोका देंगे। पैश है राजीव शर्मा से बातीयत के मुख्य अंश:

■ टोक्यो में कांसे तो इस बार क्या इससे आगे देखें? उम्मीद को इस बार होने के लिए तैयार है। सोच रहा है।

■ हरमन कहते हैं—वाहे गुरु ने चाहा तो वह हमारे लिए भी लकी साक्षि हो गये। हम उके लिए नई, बल्कि पहली बार इन्से खेलने जा रहे संनियर खिलाड़ियों के खेलों को भी धाराम बनाना चाहते हैं।

■ आपके गुप्त को गुप्त ऑफ डेंथ कहा जा रहा है। चैंपियन बेल्जियम

और उपविजेता ऑस्ट्रेलिया हैं। कितनी कठिन लड़ाई होगी?

इसमें कोई शक नहीं की हमारा ग्रुप किटन है। कोई दबाव नहीं है। ओलंपिक में कोई पल हो, हर टीम और मैच महत्वपूर्ण है। वहाँ मैच न्यूजीलैंड से है और अभी फोकस उस पर फोकस करहा जा रहा है। रही बात ऑलंपिक में तो उनके खिलाफ अंतिम

साल से एक दबाव जीतने के लिए उत्तर है।

■ हरमन कहते हैं—वाहे गुरु ने चाहा तो वह हमारे लिए भी लकी साक्षि हो गये। हम उके लिए नई, बल्कि पहली बार इन्से खेलने जा रहे संनियर खिलाड़ियों के खेलों को भी धाराम बनाना चाहते हैं।

■ आपके गुप्त को गुप्त ऑफ डेंथ कहा जा रहा है। चैंपियन बेल्जियम

हॉकी को पीले तमगे में बदलने का यकीन: हरमनप्रीत

टी-20 कप्तान: हार्दिक पर भारी पड़ सकती है सूर्य की दावेदारी

■ श्रीलंका दौरा

27 से 30 जुलाई तक भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ पले के लिए तैयार है।

07 मुकाबले भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की टीमों में योग्य जीते और दो हारे हैं।



एक नजर

1. नए कोप गंभीर की पहली परसंद है यादव, 2026 विश्व कप तक जिम्बानीरी सोये जाने की उम्मीद

2. अगले कुछ दिनों में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम की धोषणा होने की संभावना है।

■ आपके गुप्त को गुप्त ऑफ डेंथ कहा जा रहा है। चैंपियन बेल्जियम

भारतीय महिला टीम एशिया कप के लिए श्रीलंका पहली बार तीरंगा दिवार की तैयारी की है।

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम

में होने वाले एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलने के लिए मंगलवार की तैयारी

को यहाँ पहुँच गई। श्रीलंका क्रिकेट ने भारत और बांग्लादेश की टीमों के आगमन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर

साझा की है।

■ और उपविजेता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हम बड़े मौकों पर अक्सर चूक जाते हैं। उसके खिलाफ कोई खास राशनीति?

इसमें कोई शक नहीं की हमारा ग्रुप किटन है। पर हम अभी इसमें उनके कामायाब नहीं हो पाए हैं। कहाँ कमी रही है?

हमारे पास अच्छे ड्रैग फिल्कर हैं फिर वह चाहे रोहित हो संजय हो या खुद मैं।

पीसी डिफेंस के लिए सर्वश्रेष्ठ रशर और गोलकोपर है लेकिन फिर भी डैग इन

साल में इन्से दोहरा जारा है। हमने इस पर महेन्त की विरोधी टीम का विश्लेषण कर रहे हैं।

■ श



# शहीद कौप्टन बृजेश थापा की मां बोलीं- बेटे की शहीदत का गम लेकिन उसने बहादुरी दिखाई, बचपन से सेना में जाना चाहता था

## सरहद पर जवानों की वजह से हम घरों में सुरक्षित

डोडा मुठभेड़



गर्व

परिचय बंगल के सिलीमुड़ी में मंगलवार को डोडा में आतंकवादी मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए कौप्टन बृजेश थापा की मां नीलिमा थापा। शहीद की मां को अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है। उन्होंने कहा, देश की सीमा पर तैनात हमारे जवानों की वजह से ही हम सभी सुरक्षित अपने घरों में बैठे हुए हैं।

